

**ई0पत्रावली संख्या-67667****प्रेषक,****डॉ0 आर0 राजेश कुमार I.A.S,**

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

**सेवा में,****प्रमुख अभियन्ता,**

सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,

देहरादून।

**सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-2****देहरादून, दिनांक, मार्च, 2025****विषय:- वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सेक्टर शोध कार्यक्रम मद के अन्तर्गत योजना की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति एवं धनावंटन के सम्बन्ध में।****महोदय,**

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-649/प्र0अ0/सिं0वि0/पी0-27(राज्य सैक्टर), दिनांक 18.02.2025 एवं पत्र संख्या-881/प्र0अ0/सिं0वि0/पी0-27(राज्य सैक्टर), दिनांक: 06.03.2025 में किये गये प्रस्ताव के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सेक्टर शोध कार्यक्रम मद के अन्तर्गत Modernization and upgradation of the T&P items demand of Various Testing Units & Labs in I.R.I. Roorkee योजना विभागीय टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि रू0 24.99 लाख में Civil works & new accessories के नये क्रय को छोड़ते हुये पुरानी अथवा Wooden accessories के साथ मात्र Three Edge Bearing test apparatus के प्रतिस्थापन हेतु रू0 10.00 लाख (रूपये दस लाख मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए विभागीय आय-व्ययक (बजट) 2023-24 में उपलब्ध/प्रावधानित धनराशि रू0 10.00 लाख के सापेक्ष इतनी ही धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) सम्बन्धित धनराशि का व्यय प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत किया जायेगा, धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कही आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।
- (ii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (iv) धनराशि व्यय करने से पूर्व यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत कार्य किसी अन्य योजना/विभाग से स्वीकृत/वित्त पोषित न हो। अन्य योजना/विभाग से स्वीकृत/वित्त पोषित होने की दशा में इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत धनराशि का उपयोग न किया जाय।
- (v) सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें।

- (vi) कार्यो की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (viii) उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि पूर्व में उक्त योजनाओं हेतु कोई धनराशि तो अवमुक्त नहीं की गयी है, अर्थात् दोहराव की स्थिति उत्पन्न न हो। यदि ऐसी कोई अनियमितता पायी जाती है तो इस हेतु प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (ix) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (x) शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xi) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दिनांक 31.03.2025 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अवमुक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाये। किसी भी दशा में किसी भी स्तर पर धनराशि को पार्क नहीं किया जायेगा।
- (xii) स्वीकृत लागत के सापेक्ष कार्य के क्रियान्वयन में यदि कम धनराशि व्यय होती है तो शेष धनराशि शासन को समर्पित कर दी जाये।
- (xiii) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 समय-समय पर यथा संशोधित तथा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत किये गये आदेशों एवं निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।
- (xiv) वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-201358, दिनांक 22 मार्च, 2024 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं एवं उक्त शासनादेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये और वांछित सूचनायें निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाये।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4700-80-004-03-00-53-वृहद निर्माण मद के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त अनुभाग-2 की कम्प्यूटरजनित संख्या-।/282080/2025, दिनांक 11 मार्च, 2025 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किया जा रहा है।

**संलग्नक-Allotment ID.**

**भवदीय,**

**(डॉ० आर० राजेश कुमार)**  
**सचिव।**

**ई0पत्रावली संख्या-67667, तददिनांक।**

**प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-**

1. निजी सचिव-मा0 सिंचाई मंत्री जी को मा0 सिंचाई मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड कौलागढ़ रोड, देहरादून।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कौलागढ़ रोड, देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, सम्बन्धित जनपद।
6. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग।
7. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
8. वित्त नियंत्रक सिंचाई विभाग, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जे0एल0 शर्मा)  
संयुक्त सचिव।